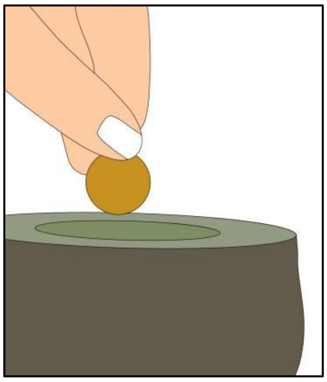

दक्षिणा देबाक ईसाई प्रथा

दक्षिणा - वस्त्र, भोजन, या पाइ जे गरीब लोक के देल जाइत अछि |

सुसमाचार पत्र

सावधान रहू जे मनुष् यक समक्ष अपन भिक्षा नहि करू जाहि सँ ओ सभ देखब। तोँ जखन अहाँ अपन भिक्षा देब तँ अपना सोझाँ मे तुरही नहि बजाउ जेना पाखंडी सभ सभाघर आ गली-गली मे करैत अछि, जाहि सँ हुनका सभ केँ मनुष् यक महिमा भेटय। हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ केँ अपन फल भेटैत छनि। मुदा जखन अहाँ भिक्षा करब तखन अहाँक बामा हाथ केँ ई नहि बुझल जाय जे अहाँक दहिना हाथ की करैत अछि, जाहि सँ अहाँक भिक्षा गुप्त रहय। मत्ती 6:1-4

यीशु उत्तर देलथिन, " एकटा आदमी यरूशलेम सँ यरीहो जा कऽ चोर सभक बीच खसि पड़ल, जे ओकर कपड़ा उतारि कऽ घायल कऽ कऽ ओकरा आधा मृत छोड़ि कऽ चलि गेल।" संयोगवश एकटा पुरोहित ओहि बाट सँ उतरि गेलाह आ हुनका देखि ओ ओहि पार सँ गुजरि गेलाह। तहिना एकटा लेवी ओहि ठाम पहुँचला पर आबि कऽ हुनका दिस तकलक आ ओहि कात सँ गुजरि गेल। मुदा जखन ओ यात्रा करैत छलाह तखन एकटा सामरी हुनका जतय छलाह, तखन हुनका पर दया आबि गेलनि, आ हुनका लग जा कए हुनकर घाव केँ तेल आ मदिरा ढारि कऽ अपन जानवर पर बैसा देलनि आ एकटा सराय मे लऽ गेलनि आ हुनकर देखभाल कयलनि। दोसर दिन जखन ओ विदा भेलाह तँ दू टा पाइ निकालि कऽ सेना केँ दऽ देलथिन आ कहलथिन, "ओकर देखभाल करू। अहाँ जे किछु बेसी खर्च करब तखन हम फेर आबि जायब तखन हम अहाँ केँ प्रतिफल देब।" अहाँ सोचैत छी जे एहि तीनू मे सँ के चोर सभक बीच खसि पड़लाक पड़ोसी छल? ओ कहलथिन, "जे ओकरा पर दया केलक।" तखन यीशु हुनका कहलथिन, " जाउ आ अहाँ सेहो एहने करू।" लूका १०:३०-३७

मुदा जे किछु अहाँ सभ लग अछि, ताहि सँ भिक्षा दिअ। देखू, अहाँ सभक लेल सभ किछु शुद्ध अछि। लूका 11:41

जे किछु अछि से बेचि कऽ भिक्षा दिअ। अपना लेल झोरा जे पुरान नहि होइत अछि, आकाश मे एकटा एहन खजाना जे क्षीण नहि होइत अछि, जतय चोर लग नहि अबैत अछि आ ने पतंग भ्रष्ट नहि करैत अछि। कारण, जतय अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत। लूका 12:33-34

कृत्य

प्रार्थनाक समय मे पत्रुस आ यूहन् ना एक संग मन् दिर मे चलि गेलाह। मायक कोखि सँ लंगड़ा एकटा आदमी केँ लऽ कऽ गेल छल, जकरा ओ सभ नित्य मन्दिरक फाटक पर सुता दैत छल जे मन्दिर मे प्रवेश करय बला सभ सँ भिक्षा माँगैत छल। ओ पत्रुस आ यूहन् ना केँ मन् दिर मे जायबला देखि भिक्षा मंगलनि। पत्रुस यूहन् नाक संग हुनका पर नजरि गड़ौने बजलाह, "हमरा सभ दिस देखू।" ओ हुनका सभ सँ किछु पाबबाक आशा मे हुनका सभक बात पर ध्यान देलनि। तखन पत्रुस कहलथिन, "हमरा लग चानी आ सोना नहि अछि। मुदा जे हमरा लग अछि से हम तोरा दैत छी। ओ हुनका दहिना हाथ पकड़ि कऽ ऊपर उठौलथिन, तखने हुनकर पएर आ टखने मे ताकत आबि गेलनि। ओ कूदि कऽ ठाढ़ भऽ कऽ चलैत-चलैत हुनका सभक संग मन् दिर मे प्रवेश कयलनि। प्रेरितों के काम 3:1-8

विश् वास करनिहार सभक भीड़ एक हृदय आ एक प्राणी छल। मुदा दुनूक सभटा बात समान छल। प्रेरित सभ प्रभु यीशुक पुनरुत्थानक गवाही बहुत सामर्थ्यक संग देलथिन। आ ओहि मे सँ कियो कमी नहि छल, किएक तँ जे सभ जमीन वा घरक मालिक छल से बेचि कऽ बेचल गेल वस्तुक दाम आनि कऽ प्रेरित सभक पएर मे राखि देलक। योसेस, जे प्रेरित सभक द्वारा बरनबास नाम देल गेल छल, जे लेवी आ साइप्रस देशक छल, जे जमीन छल, ओकरा बेचि कऽ ओ पाइ आनि प्रेरित सभक पएर मे राखि देलक। प्रेरितों के काम ४:३२-३७

यॉपा मे तबीता नामक एकटा शिष्य छल, जकरा अर्थ मे डोरकास कहल जाइत छैक। प्रेरितों के काम 9:36

कैसरिया मे एकटा आदमी छल जकर नाम छल कुरनेलियुस, जे इटालियन दल नामक दलक एकटा शताब्दी छल, एकटा भक्त आदमी छल आ अपन घरक संग परमेश् वरक भय मानैत छल, जे लोक सभ केँ बहुत भिक्षा दैत छल आ सदिखन परमेश् वर सँ प्रार्थना करैत छल। ओ एकटा दर्शन मे दिनक करीब नौ बजे परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, "कुर्नेलियुस!" जखन ओ हुनका दिस तकलनि तँ ओ डरि गेलाह आ कहलथिन, "हे प्रभु? ओ हुनका कहलथिन, "अहाँक प्रार्थना आ भिक्षा परमेश् वरक समक्ष स्मरणक रूप मे आबि गेल अछि।" प्रेरितों के काम १०:१-४

कुरनेलियुस कहलथिन, "चारि दिन पहिने हम आइ धरि उपवास क' रहल छलहुँ। नौम बजे हम अपन घर मे प्रार्थना केलहुँ, आ देखलहुँ, एकटा आदमी चमकैत वस्त्र मे हमरा सोझाँ ठाढ़ भ' गेल छल, आ कहलक, "कर्नेलियुस, तोहर प्रार्थना सुनल गेल अछि आ परमेश् वरक नजरि मे तोहर भिक्षा मोन पड़ि गेल अछि।" प्रेरितों के काम १०:३०-३१

हम अहाँ सभ केँ सभ किछु देखा देने छी जे एतेक परिश्रम करैत अहाँ सभ केँ कमजोर सभक सहारा देबाक चाही आ प्रभु यीशुक वचन सभ केँ मोन पाड़बाक चाही, जे ओ कहलनि जे, " प्राप्ति सँ बेसी देनाइ बेसी धन्य अछि।" प्रेरितों के काम २०:३५

हम एहि तरहेँ अपना केँ व्यायाम करैत छी जे परमेश् वर आ मनुष् य सभक प्रति सदैव कोनो आपत्ति सँ रहित विवेक राखब। बहुत वर्षक बाद हम अपन जाति केँ भिक्षा आ प्रसाद आनय आयल छलहुँ। प्रेरितों के काम 24:16-17

चोरी केनिहार आब चोरी नहि करय, बल् कि ओ अपन हाथ सँ नीक काज कऽ कऽ मेहनति करय, जाहि सँ ओकरा जरूरतमंद कैँ देबऽ पड़य। इफिसियों 4:28

एपोक्रिफा

हम तोबीत अपन जीवन भरि सत् य आ न्यायक बाट पर चलैत रहलहुँ अछि आ अपन भाय सभ आ हमर जाति, जे हमरा संग अश्शूरक देश मे आयल छल, हुनका सभक लेल बहुत रास भिक्षा केलहुँ। टोबिट १:३

एनेमेसरक समय मे हम अपन भाइ सभ कैँ बहुत रास भिक्षा दैत छलहुँ, भूखल लोक सभ कैँ अपन रोटी, आ अपन कपड़ा नंगटे सभ कैँ दऽ देलियनि, आ जँ हम अपन जाति मे सँ कियो मृत देखलहुँ वा नीनवेक देबाल मे फेकि गेलहुँ तँ ओकरा गाड़ि देलियनि। टोबिट १:१६-१७

अपन सम्पत्तिक भिक्षा दिअ। जखन अहाँ भिक्षा देब तखन अहाँक नजरि मे ईर्ष्या नहि होअय आ ने कोनो गरीब सँ मुँह घुमाउ आ परमेश् वरक मुँह अहाँ सँ नहि मोड़ल जायत। जँ अहाँ लग प्रचुरता अछि तँ तदनुसार भिक्षा दिअ, जँ थोड़ेक अछि तँ ओहि कमक अनुसार दान करबा मे नहि डेराउ। कारण, भिक्षा मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि आ अन्हार मे नहि आबय दैत अछि। किएक तँ परमेश् वरक नजरि मे भिक्षा देनिहार सभ कैँ नीक वरदान अछि। टोबिट 4:7-11

अपन रोटी मे सँ किछु भूखल कैँ दऽ दियौक आ अपन वस्त्र मे सँ किछु नंगटे लोक कैँ दऽ दियौक। आ अपन प्रचुरताक अनुसार भिक्षा दिअ, आ जखन अहाँ भिक्षा दैत छी तखन अहाँक आँखि कैँ ईर्ष्या नहि होअय।" टोबिट 4:16

व्रत आ भिक्षा आ धर्मक संग प्रार्थना नीक होइत छैक। धर्मक संग कनिको अधर्मक संग बेसी नीक होइत छैक। सोना जमा करबा सँ नीक जे भिक्षा देब, किएक तँ भिक्षा मृत्यु सँ मुक्त करैत अछि आ सभ पाप कैँ शुद्ध कऽ देत। जे भिक्षा आ धार्मिकताक प्रयोग करैत अछि, ओ जीवन सँ भरल रहत: तोबीत 12:8-9

तेँ टोबीत परमेश् वरक स्तुति करब समाप्त कऽ लेलनि। आठ वर्षक बाद हुनकर दृष्टि चलि गेलनि आ ओ भिक्षा देलनि आ प्रभु परमेश् वरक भय बढ़ि गेलाह आ हुनकर स्तुति कयलनि। टोबिट 14:1-2

हमरा शालीनतापूर्वक दफना दिअ, आ अपन माय कैँ सेहो हमरा संग दफना दिअ। मुदा आब नीनवे मे नहि रहब। मोन राखू, हमर बेटा, अमन ओकरा पालन-पोषण करय बला अचियाचरस कैँ कोना सम्हारलनि, कोना इजोत सँ ओकरा अन्हार मे अनलनि, आ कोना ओकरा फेर सँ पुरस्कृत कयलनि, तइयो अचियाचरस कैँ उद्धार भेलनि, मुदा दोसर कैँ ओकर इनाम भेटलनि, कारण ओ अन्हार मे उतरि गेलाह। मनसस भिक्षा देलक आ ओ सभ मृत्युक जाल सँ बचि गेल जे ओ सभ ओकरा लेल राखि देने छल। तेँ आब हमर बेटा, ई विचार करू जे भिक्षा की करैत अछि आ धर्म कोना उद्धार करैत अछि। ई बात कहि कऽ ओ एक सय अठपचास वर्षक भऽ कऽ ओछाओन पर बैसल भूत कैँ छोड़ि देलनि। आ हुनका आदरपूर्वक दफना देलनि। टोबिट 14:10-11

पानि ज्वालामुखी आगि बुझा देत; आ भिक्षा पापक प्रायश्चित करैत अछि। सिराच 3:30 बजे

प्रार्थना करबा काल क्षीण नहि होउ, आ भिक्षा देबा मे कोताही नहि करू। सिराक 7:10

जे सदिखन अधलाह मे व्यस्त रहैत अछि, ओकरा कोनो नीक नहि भ' सकैत छैक, आ ने जे कोनो भिक्षा नहि दैत छैक। सिराक 12:3

मनुष्यक भिक्षा ओकरा संग एकटा निशान जकाँ होइत छैक, आ ओ मनुक्खक नीक काज कैँ आँखिक नेबो जकाँ राखत आ अपन बेटा-बेटी कैँ पश्चाताप करत। सिराक 17:22

अपन भंडार मे भिक्षा कैँ बन्द कऽ दियौक, आ ओ अहाँ कैँ सभ विपत्ति सँ मुक्त करत।" सिराक २९:१२

जे सोना सँ प्रेम करैत अछि, से धर्मी नहि ठहराओल जायत, आ जे भ्रष्टाचारक पाछाँ चलत, ओकरा ओहि सँ पर्याप्त भेटतैक। सोना बहुतो के बर्बादी रहल अछि आ ओकर विनाश सेहो उपस्थित छल। एकरा बलिदान देबऽ वला सभक लेल ई ठोकर अछि, आ सभ मूर्ख ओकरा संग पकड़ल जायत। धन्य अछि ओ धनी जे निर्दोष भेटैत अछि आ सोनाक पाछाँ नहि गेल अछि। ओ के छथि ? हम सभ हुनका धन्य कहबनि, किएक तँ ओ अपन लोकक बीच अद्भुत काज कयलनि। केकरा एहि तरहेँ परीक्षा कयल गेल अछि आ के सिद्ध पाओल गेल अछि? तखन ओ घमंड करथि। के आपत्ति क' सकैत अछि, आ नहि केने अछि? आकि अधलाह केने छी, आ नहि केने छी? ओकर माल स्थापित होयत आ मंडली ओकर भिक्षाक घोषणा करत। सिराक ३१:५-११

जे किछु नीक-नीक बदला लैत अछि, से नीक आटा चढ़बैत अछि। जे भिक्षा दैत अछि, से स्तुति बलि दैत अछि। सिराक ३५:२

भाइ लोकनि आ सहायता विपत्तिक समयक विरोध मे अछि, मुदा भिक्षा हुनका दुनू सँ बेसी बचाओत। सिराक 40:24

बाइबिल के खोया किताबें

दाऊद केरऽ राज जाति आरू परिवार सं निकललऽ धन्य आरू सदा गौरवशाली कुमारी मरियम केरऽ जन्म नासरत शहर मं भेलऽ छेलै, आरू यरूशलेम मं, प्रभु केरऽ मंदिर मं पढ़लऽ-लिखलऽ छेली । ओकर पिताक नाम जोआचिम छलैक, आ मायक अन्ना। ओकर पिताक परिवार गलील आ नासरत नगरक छल। हुनकर मायक परिवार बेतलेहेमक छलनि। हुनका लोकनिक जीवन प्रभुक दृष्टि मे सादा आ सही छल, मनुष्यक समक्ष पुण्य आ निर्दोष छल | कारण, ओ सभ अपन सभटा सम्पत्ति तीन भाग मे बाँटि लेलनि, जाहि मे सँ एकटा भाग मन्दिर आ मन्दिरक अधिकारी सभ कैँ समर्पित कयलनि। दोसर पराया, आ गरीब परिस्थिति मे रहनिहार व्यक्ति मे बाँटि दैत छलाह; आ तेसर अपन आ अपन परिवारक उपयोगक लेल सुरक्षित राखि लेलनि। मरियम के जन्म के सुसमाचार 1:1-4

हे योआकिम, हमरा देखि कऽ नहि डेराउ, आ ने हमरा देखि घबराउ, किएक तँ हम प्रभुक स् वर्गदूत छी जे हुनका द्वारा अहाँ लग पठाओल गेल अछि, जाहि सँ हम अहाँ कैँ सूचित कऽ सकब जे अहाँक प्रार्थना सुनल गेल अछि आ अहाँक भिक्षा परमेश् वरक सामने चढ़ि गेल अछि। मरियम के जन्म के सुसमाचार 2:3

तकर बाद स् वर्गदूत अपन पत्नी अन्ना कैँ दर्शन कयलनि जे, "डर नहि करू, आ ने जे अहाँ देखैत छी से आत्मा बुझू। हम ओ स् वर्गदूत छी जे अहाँ सभक प्रार्थना आ भिक्षा परमेश् वरक समक्ष चढ़ा देने छी आ आब अहाँ सभ लग पठाओल गेल छी जे हम अहाँ सभ कैँ ई बताबी जे अहाँ सभक लेल एकटा बेटीक जन्म होयत, जकर नाम मरियम होयत आ सभ स् त्रीगण सँ बेसी धन्य होयत। मरियम के जन्म के सुसमाचार 3:1-2

हरमास के चरवाहा के तेसरऽ किताब २:१-१३ (समानता)
1 जखन हम खेत मे जा रहल छलहुँ आ एल्म आ बेल पर विचार करैत छलहुँ आ मने-मन ओकर फलक बारे मे सोचैत छलहुँ तखन एकटा स् वर्गदूत हमरा प्रकट भेलाह आ हमरा कहलथिन। एतेक दिन धरि अहाँ अपना भीतर की सोचैत छी?
2 हम हुनका कहलियनि, "महाराज, हम एहि बेल आ एहि एल्म कैँ एहि लेल सोचैत छी जे एकर फल सुन्दर होइत छैक।" ओ हमरा कहलथिन। ई दुनू गाछ परमेश् वरक सेवक सभक लेल एकटा नमूनाक रूप मे राखल गेल अछि।
3 हम हुनका कहलियनि, "महाराज, हम ई जानि चाहैत छी जे अहाँ जे गाछ-वृक्षक चर्चा करैत छी, ओकर प्रतिरूप की अछि।" सुनू, ओ कहैत छथि। अहाँ ई बेल आ ई एल्म देखैत छी। सर, हम कहलियनि, हम हुनका सभ कैँ देखैत छी,
4 ई बेल, ओ कहैत छथि, फलदार होइत अछि, मुदा एल्म एकटा एहन गाछ अछि जकर फल नहि भेटैत अछि। तइयो ई बेल जाबत धरि एहि एल्म द्वारा सेट नहि कयल जायत, आ एहि सँ सहारा नहि देल जायत, ता धरि बेसी फल नहि देत। मुदा जमीन पर संग-संग पड़ल रहला पर अधलाह फल भेटैत छलैक, कारण ओ एल्म पर नहि लटकल छलैक; जखन कि एल्म पर सहारा लेला सँ ई अपना लेल आ ताहि लेल दुनू तरहेँ फल दैत अछि ।
5 तेँ देखू जे एल्म बेल सँ कम नहि, बल् कि बेसी फल दैत अछि। कोना सर, हम कहलियनि, बेल सँ बेसी फल दैत अछि? कारण, ओ कहलनि, एल्म पर सहारा देल गेल बेल बहुत आ नीक दुनू फल दैत अछि; जखन कि जँ जमीन पर संग-संग पड़ल रहैत त' कम सहन होइत, आ से सेहो बहुत बीमार।
6 तेँ ई उपमा परमेश् वरक सेवक सभक लेल देखाओल गेल अछि। आ ई धनिक आ गरीबक प्रतिनिधित्व करैत अछि। हम उत्तर देलियैक, "महाराज, ई बात हमरा प्रकट करू।" सुनू, ओ कहलनि; धनिक आदमी के धन छै; तथापि प्रभुक प्रति ओ गरीब छथि। किएक तँ ओ अपन धन-दौलतक विषय मे उठाओल गेल अछि आ प्रभु सँ कम प्रार्थना करैत अछि। आ जे प्रार्थना ओ करैत छथि से आलसी आ बिना बल के होइत अछि |
7 तेँ जखन धनी लोक गरीब सभक लग जे चीज चाहैत अछि तकरा हाथ बढ़बैत अछि तँ गरीब लोक धनिक लोकक लेल प्रभु सँ प्रार्थना करैत अछि। परमेश् वर धनिक कैँ सभ नीक चीज दैत छथिन, किएक तँ गरीब लोक प्रार्थना मे धनी होइत छथि। आ ओकर आग्रह पर प्रभुक बहुत सामर्थ्य छैक।
8 तखन धनी लोक सभ किछु गरीबक सेवा करैत अछि, किएक तँ ओकरा ई बुझल जाइत छैक जे ओकर बात प्रभुक द्वारा सुनल जाइत छैक, आ ओ ततेक इच्छा सँ आ बिना कोनो संदेहक, ओकरा जे चाही से दऽ दैत छैक, आ ध्यान राखैत छैक जे ओकरा कोनो चीजक कमी नहि हो।
9 गरीब लोक धनिक लोकक लेल प्रभु कैँ धन्यवाद दैत अछि। कारण ओ सभ अपन दुनू काज प्रभु सँ करैत छथि।
10 तेँ मनुखक संग एल्म कोनो फल नहि बुझल जाइत अछि। आ ओ सभ ई नहि जनैत छथि आ ने बुझैत छथि जे ओकर संगति बेल मे जोड़ला सँ बेल मे दुगुना वृद्धि होइत छैक, अपना लेल आ एल्म दुनू लेल।
11 तहिना गरीब लोक सभ धनिक लोकक लेल प्रभु सँ प्रार्थना करैत छथि, हुनका सुनल जाइत छनि। आ ओकर धन बढ़ि जाइत छैक, किएक तँ ओ सभ अपन धन-दौलत गरीब सभक सेवा करैत अछि। तेँ दुनू गोटे एक दोसराक नीक काजक भागीदार बनाओल जाइत छथि |

हम अहाँ सभ कैँ सब किछु देखा देलियैक जे एतेक मेहनति क' क' अहाँ सभ कैँ कमजोर लोकक भरण-पोषण करबाक चाही।

आ प्रभु यीशुक वचन सभ कैँ मोन पाड़बाक लेल जे ओ कोना कहलनि।

ग्रहण करबा स बेसी देब धन्य अछि।

प्रेरितों के काम २०:३५

12 तेँ केओ ई सभ काज करत, ओकरा प्रभु द्वारा नहि छोड़ल जायत, बल् कि जीवनक पुस्तक मे लिखल जायत।
13 ओ सभ धन्य अछि जे धनिक अछि आ अपना केँ बढ़ल बुझैत अछि।

अदन के बिसरल किताब

जबबुलन 2:1-21 के नियम
1 आब बच्चा सभ, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे प्रभुक आज्ञाक पालन करू आ अपन पड़ोसी पर दया करू आ सभ पर दया करू, मात्र मनुक्ख पर नहि, बल्कि जानवर पर सेहो।
2 एहि सभ बातक लेल प्रभु हमरा आशीर्वाद देलनि आ जखन हमर सभ भाय बीमार भेलाह तखन हम बिना बीमारी केने बचि गेलहुँ, कारण प्रभु एक-एक गोटेक उद्देश्य जनैत छथि।
3 तेँ हे बच्चा सभ, अहाँ सभक मोन मे दया करू, किएक तँ जहिना मनुष् य अपन पड़ोसीक संग करैत अछि, तहिना प्रभु ओकरा संग सेहो करताह।
4 हमर भाय सभक पुत्र सभ यूसुफक कारणेँ बीमार भऽ कऽ मरि रहल छल, किएक तँ ओ सभ अपन मोन मे दया नहि कयलक। मुदा हमर बेटा सभ बिना बीमारी के बचाओल गेल, जेना अहाँ सभ जनैत छी।
5 जखन हम कनान देश मे समुद्रक कात मे छलहुँ तँ हमर पिता याकूबक लेल माछ पकड़लहुँ। आ जखन समुद्र मे कतेको गोटेक गला घोंट गेल त हम निर्दोष रहि गेलहुँ।
6 हम सबसँ पहिने समुद्र पर नाव बनेलहुँ, कारण प्रभु हमरा ओहि मे बुद्धि आ बुद्धि देलनि।
7 हम ओकर पाछू एकटा पतवार खसा देलियैक आ बीच मे एकटा आओर सोझ लकड़ी पर एकटा पाल पसारि देलियैक।
8 हम ओहि मे तट पर जहाज सँ अपन पिताक घरक लेल माछ पकड़ैत गेलहुँ जाबत धरि हम सभ मिस्र नहि पहुँचलहुँ।
9 आ करुणाक कारणेँ हम अपन पकड़ल हर अनजान लोकक संग बाँटि देलहुँ।
10 जँ केओ परदेशी, बीमार वा बूढ़ छल, तँ हम माछ उबालि कऽ नीक जकाँ सजबैत छलहुँ आ सभ लोकक लेल चढ़ा दैत छलहुँ, जेना-जेना ओकरा सभक संग शोक होइत छल आ ओकरा सभ पर दया करैत छल।
11 तेँ प्रभु हमरा माछ पकड़बा काल प्रचुर मात्रा मे माछ सँ तृप्त कयलनि। किएक तँ जे अपन पड़ोसीक संग भाग लैत अछि, तकरा प्रभु सँ बहुत गुना बेसी भेटैत छैक।
12 पाँच वर्ष धरि हम माछ पकड़ैत छलहुँ आ जे सभ देखलहुँ तकरा सभ केँ माछ दऽ दैत छलहुँ आ अपन पिताक समस्त घरक लेल पर्याप्त छल।
13 गर्मी मे हम माछ पकड़ैत छलहुँ आ जाड़ मे हम अपन भाय सभक संग बरद पोसैत छलहुँ।
14 आब हम अहाँ सभ केँ बता देब जे हम की केलहुँ।
15 जाड़क समय मे हम एकटा आदमी केँ नंगटे भऽ कऽ विपत्ति मे पड़ल देखलहुँ आ ओकरा पर दया आबि गेलहुँ आ हमर पिताक घर सँ चोरा कऽ एकटा वस्त्र चोरा कऽ विपत्ति मे पड़ल ओकरा दऽ देलियैक।
16 तेँ हे हमर सन्तान सभ, की अहाँ सभ जे किछु परमेश् वर अहाँ सभ केँ दैत छथि, ताहि सँ सभ मनुष् यक प्रति बिना कोनो संकोच कऽ दया आ दया करू आ नीक मोन सँ प्रत् येक मनुष् य केँ दय दिअ।
17 जँ अहाँ सभ लग जरूरतमंद केँ देबाक सामर्थ्य नहि अछि तँ ओकरा पर दया करू।
18 हम जनैत छी जे हमर हाथ मे जरुरत केँ देबाक सामर्थ्य नहि भेटल, आ हम हुनका संग सात फरलोंग धरि कानि रहल छलहुँ आ हमर आंत हुनका दिस दयाक भाव सँ तरसैत छल।
19 तेँ हे हमर सन्तान सभ, अपना पर दया करू, जाहि सँ प्रभु सेहो अहाँ सभ पर दया आ दया करथि।

हम अहाँ सभ केँ सब किछु देखा देलियैक जे एतेक मेहनति क' क' अहाँ सभ केँ कमजोर लोकक भरण-पोषण करबाक चाही।

आ प्रभु यीशुक वचन सभ केँ मोन पाड़बाक लेल जे ओ कोना कहलनि।

ग्रहण करबा स बेसी देब धन्य अछि।

प्रेरितों के काम २०:३५

20 कारण, अंतिम दिन मे परमेश् वर पृथ् वी पर अपन दया पठौताह, आ जतऽ-जतय हुनका दयाक आंत
भेटतनि, ओ हुनका मे रहैत छथि।
21 किएक तँ जहिना मनुष् य अपन पड़ोसी पर दया करैत अछि, तहिना प्रभु ओकरा पर सेहो ओहिना दया
करैत अछि।

हम अहाँ सभ कैँ सब किछु देखा देलियैक जे एतेक मेहनति क' क' अहाँ सभ कैँ कमजोर लोकक भरण-पोषण करबाक चाही।

आ प्रभु यीशुक वचन सभ कैँ मोन पाड़बाक लेल जे ओ कोना कहलनि।

ग्रहण करबा स बेसी देब धन्य अछि।

प्रेरितों के काम २०:३५